क्या माता-पिता की बद्दुआ लगती है?' बेटे के इस सवाल पर आचार्य प्रशांत ने कही ऐसी बात, जो पेरेंट्स को बहुत चुभेगी

Authored By: नंदिनी दुबे | नवभारतटाइम्स.कॉम • 27 Nov 2026, 4:36 pm IST

Subscribe YouTube 12M

मशहूर लेखक और दार्शनिक आचार्य प्रशांत से एक शख्स ने सवाल किया कि क्या माता-पिता की बद्दुआ भी लगती है? इस सवाल पर आचार्य प्रशांत ने ऐसा जवाब दिया, जो कई माता-पिता को बहुत चुभ सकता है। आखिर उन्होंने ऐसा क्या कहा और उनकी बात में पेरेंट्स के लिए क्या सीख छिपी है? आइए जानते हैं।



क्या माता-पिता की बद्दुआ लगती है ? (इस लेख में यूज की गईं सभी तस्वीरें सांकेतिक हैं) Image- acharya prashant Facebook Page

कई बार माता-पिता गुस्से और नाराजगी में बच्चों को ऐसी कड़वी बातें कह देते हैं, जिनका उनके मन पर गहरा असर पड़ता है। माता-पिता की कही ये बातें कई बार बच्चों के मन में इस कदर बैठ जाती हैं कि वे चाहकर भी उन्हें भुला नहीं पाते। उनके मन में कई तरह के सवाल उठने लगते हैं। ऐसा ही एक सवाल हाल ही में एक शख्स के मन में भी आया, जिसने मशहूर लेखक और दार्शनिक आचार्य प्रशांत से पूछा कि क्या माता-पिता की बद्दुआ भी लगती है? इस सवाल पर आचार्य प्रशांत ने जो जवाब दिया, वह हर माता-पिता को अपने व्यवहार और बच्चों के साथ

2nd Test, India in New Zealand
27 NOV
NZ 356
IND 114/5
Tap to view the Live cricket scorecard

वीडियो



पाकिस्तान की Submarine में घटिया Chinese Engine, अरब सागर में भारतीय नौसेना कैसे...



Russia Pakistan Deal: रूस-पाकिस्तान में 5 अरब डॉलर की कैसी डील ? क्यों बढ़ी भारत की...



Exclusive: जैकी श्रॉफ बोले- बॉलीवुड में अब खूब दखलअंदाजी होने लगी है, टाइगर मेरा बच्चा, ...



UP election 2027:कांग्रेस के साथ कौन सा खेल-खेल रहे अखिलेश यादव? राहुल गांधी ...



झारखंड विधानसभा से MMDR संशोधन कानून वापस लेने का

रेकमेंडेड खबरें


बच्चों के जंक फूड खाने पर न लगाएं पाबंदी! आखिर एक्सपर्ट ने क्यों दी ऐसी सलाह? पैरेंट्स ज...

रिश्ते को लेकर सोचने पर मजबूर कर सकता है।

क्या माता-पिता की बद्दुआ लगती है?



सोशल मीडिया पर मौजूद एक वीडियो में आचार्य प्रशांत एक शख्स से पूछते हैं कि मां ने बद्दुआ दी, तो वह शख्स सवाल करता है कि क्या माता-पिता की बद्दुआ लगती है? यह सुनकर आचार्य प्रशांत कहते हैं, 'क्यों बच्चे पैदा करते हो यार, यही सब करना है तो?' वह आगे कहते हैं कि जब मैं यह सब सुनता हूं, तो अफसोस होता है। इसके आगे तो मैं विवश हूं, क्या बोलूं।

'अब इस पर क्या जवाब दें'





'मुझे तुम पर भरोसा है', पिता के ये शब्द बेटियों की बन जाते हैं सबसे बड़ी ताकत, हर मुश्किल ...



'तो 9वीं बार प्रेग्नेंट हो जाओगी?' पति की एक और औलाद की जिद सुन डॉ. ने महिला से पूछा यह...



Parenting Quote By PM Modi: जिन मां-बाप के पास अपनी उपलब्धियां बताने को कु...

लेखक आगे कहते हैं कि अब कोई दुश्मन आकर आपके साथ छल करे, षड्यंत्र रचे और आप उस पर सवाल उठाएं, तो एक बात समझ में आती है। लेकिन घरों में ही कोई किसी के साथ ऐसा कर रहा है, वहां भी बहुत कुछ चल रहा है, तो इस पर क्या जवाब दें? Image-Acharya Prashant Facebook Page

Advertisement

'अभिभावक बदल तो नहीं सकते हैं'



मैं बस यही कह सकता हूं कि अगर आपके बच्चे हों, तो उन्हें रिश्तों की यह परिभाषा मत सिखाना कि अगर बच्चा मां-बाप की कामना पूरी नहीं कर रहा है, तो माता-पिता उसे बद्दुआ देने लगें। अब कोई अपने अभिभावक नहीं बदल सकता। वे जैसे हैं, वैसे ही हैं। Image-Acharya Prashant Facebook Page

Advertisement

बच्चों को अपमानित करना ठीक नहीं



आचार्य प्रशांत के सामने आए इस मामले से इतर भी अक्सर परिवारों में ऐसी स्थिति देखने को मिलती है, जब बच्चे माता-पिता की बात नहीं सुनते या अपनी मर्जी से फैसले लेते हैं, तो माता-पिता नाराज होकर उन्हें काफी भला-बुरा कहने लगते हैं। कई बार गुस्से में वे बच्चों को बद्दुआ तक दे देते हैं। लेकिन माता-पिता के लिए यह समझना जरूरी है कि अपनी बात मनवाने के लिए बच्चों को इस तरह कोसना या उन्हें अपमानित करना सही नहीं है।

Advertisement

बच्चों के साथ खुलकर करें बातचीत



अगर बच्चे किसी बात से सहमत नहीं हैं या उन्हें माता-पिता की कोई बात ठीक नहीं लगती, तो ऐसे में जरूरी है कि माता-पिता उनकी बात समझने की भी कोशिश करें। बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करें और जानें कि वे ऐसा क्यों सोच रहे हैं। मगर, अपनी बात मनवाने के लिए उन पर गुस्सा करना, ताने देना, बुरा-भला कहना या उन्हें नीचा दिखाना सही तरीका नहीं है। इससे बच्चे भावनात्मक रूप से आहत हो सकते हैं और धीरे-धीरे माता-पिता के साथ अपनी बातें साझा करने से कतराने लगते हैं।

Advertisement

यहां देखें पूरा वीडियो

ap_operation2030
Original audio

View profile

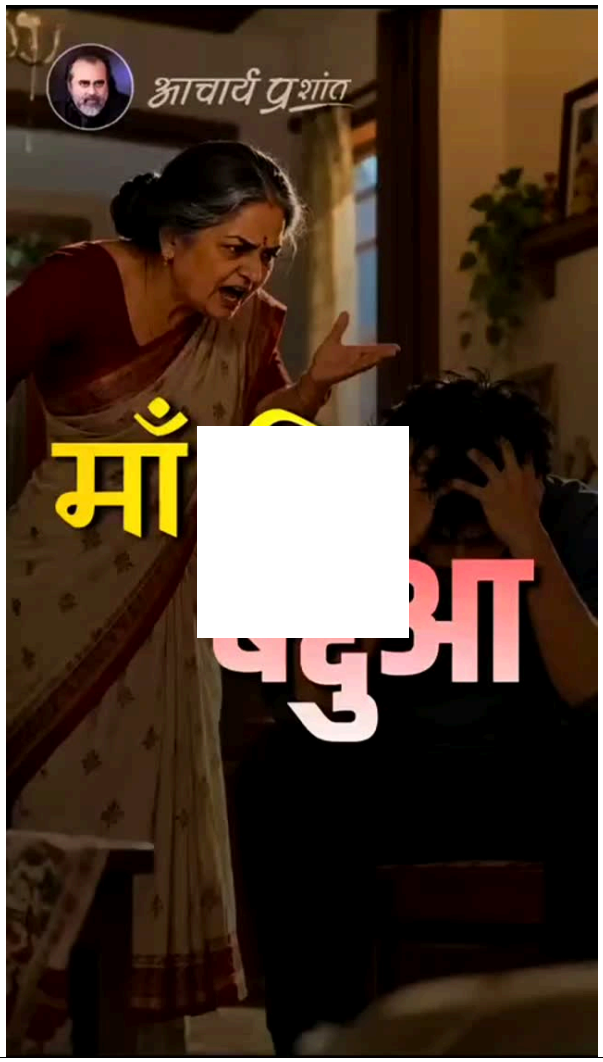

View more on Instagram

68,326 likes

Add a comment...

Advertisement

शांति से समझाएं अपनी बात



इससे दोनों के बीच भावनात्मक दूरी भी बढ़ सकती है। इसलिए असहमति होने पर भी बच्चों के साथ सम्मान और धैर्य से पेश आना जरूरी है। वहीं, बच्चों को भी यह समझना चाहिए कि माता-पिता की हर बात से सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन अपनी असहमति जाहिर करते समय उन्हें भी माता-पिता के प्रति सम्मान बनाए रखना चाहिए। किसी बात से परेशानी है, तो उसे गुस्से या बहस के बजाय शांति से समझाने की कोशिश करनी चाहिए।

स्टोरी से जुडी और जानकारी

डॉक्टर गायत्री राठौड़ ने माता-पिता को बच्चों की पसंद और फैसलों के बारे में क्या सीख दी?



आचार्य प्रशांत ने बेटों से पिता के साथ भावनात्मक जुड़ाव को लेकर क्या सवाल पूछा?

